# DR. SARITA PATHAK YAJURVEDI

KEEPING THE TRADITION ALIVE

PHONE NO.: +91 9873632196

E-MAIL: SARITAYAJURVEDI@YAHOO.CO.IN

WEBSITE: WWW.SARITAPATHAKYAJURVEDI.COM

# BIO DATA

Dr. Sarita Pathak Yajurvedi is a renowned vocalist of Hindustani classical music of the “Rampur Sadarang Parampara” (Rampur Gharana). Born in a culturally active family of Uttarakhand, Dr. Sarita Pathak Yajurvedi started learning classical music at the age five from Pt. Shanker Nath Patil, an eminent musician from Karnataka. Later, she continued her training in Hindustani Music with the renowned classical vocalist, Vidushi Sulochana Brahaspati, under the Guru Shishya Parampara.

Dr. Sarita Pathak Yajurvedi has received a large number of medals and prizes for her performances right from her childhood. She received the Sahitya Kala Parishad Scholarship from University of Delhi during her student days. She completed here M.Phil and Ph.D. in music from University of Delhi for a “Comparative study of classical and vocal music with the folk music of Uttarakhand”.

She has been a resource person for numerous national and international seminars as well as workshops.

She has performed – and has been widely applauded – in India and abroad, including the 5$^{th}$ Yuva Mahotsava organized by Sahitya Kala Parishad Delhi, Indian International Rural Cultural Centre, Acharya Brahaspati Sangeet sammelan - Chandigarh, Pauri Festival – Pauri(Uttarakhand). Vimla Devi Foundation Nyas – Ayodhya, “Subha” Bharat Bhawan – Bhopal, Shakti Sthal New Delhi, Summer Festival – India International Centre Delhi, Vaggeyakar Series of IGNCA, “Uttradhikar” – Raza Foundation, “Malwa Mahotsav” – Partner, Maharasthra, I.C.C.R Programme in Mauritius, “Bhakti Sangeet Utsav” by Sahitya Kala Parishad – Nehru Park, New Delhi, “Shyam Sangeet Sammelan Samiti” Kullu in collaboration with NZCC and has recently performed in Tansen Samaroh 2021, which was highly appreciated to name a few.

# BIO DATA

She has produced 23 episodes on Gharanaas of Indian Classical Music and 9 episodes on folk music of Uttrakhand for National Archives of All India Radio. She has lent her voice for Doordarshan, T.V. Documentaries for Discovery Channel and Salam Balak Trust as well as numerous other sponsored radio programs. Dr. Sarita Pathak Yajurvedi is an "**A grade"** artist of A.I.R and Doordarshan as a classical vocalist and has been in the panel of ICCR since 1999. She has an album to her credit titled "Yeh Naina" released by Music Today and three DVD's called "Teach Yourself Classical Music". She has also sung a Thumari for a feature film "What the fish" in which Dimple Kapadia played the lead role. Her book – "Uttrakhand Sangeet evam Sanskriti" – was released by Chief Minister of Uttrakhand at the time, Shri Ramesh Chandra Pokhriyal "Nishank". Dr. Sarita Pathak Yajurvedi has been training young artists under Guru Shishya Parampara for over 25 years and has been performing vocal recitals of classical music. At present, she is the Head of the Department of Music at Bharati College, University of Delhi.

She had been appointed as the member of the Cultural Committee for 26th January, Republic Day parade 2021 by the Government of India. She is currently the editor of Sangana Journal of Sangeet Natak Academy for their special issue on Amrit Mahotsav. Daugther-in-law to the renowned musicologist Acharya K.C.D Brahaspati, Dr. Sarita Pathak Yajurvedi is carrying forward his legacy spreading his Taalim(teaching methodology) through live lectures by CEC-UGC Vyas Channel for the last several years which are highly acclaimed both national and international. She has documented the compositions of Acharya Brahaspati under the title "24 Ragas 124 Bandishes" for the Indira Gandhi National Centre for the Arts. Her repertoire consists of Khayal,Thumri, Dadra, Tappa, Bhajans and Folk.

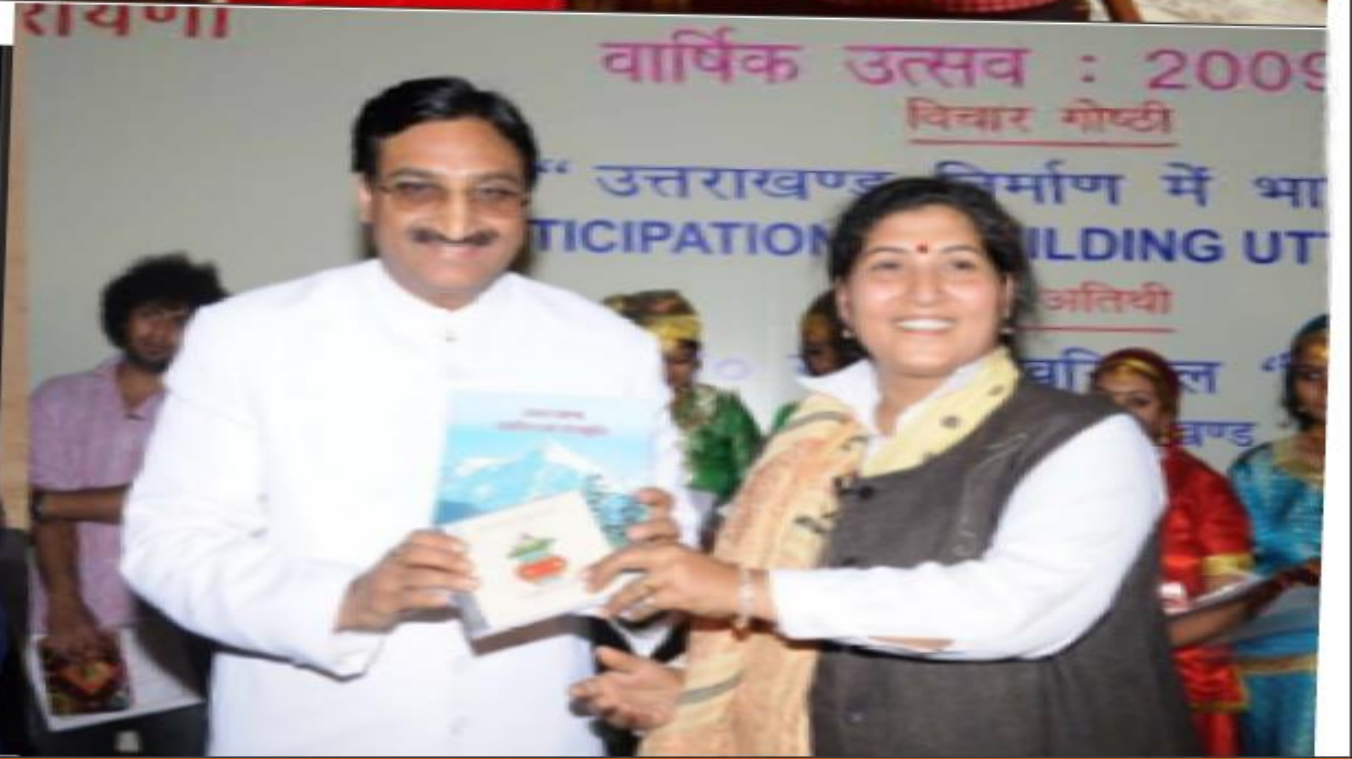
वार्षिक उत्सव : 200
विचार गोष्ठी
अतिथी

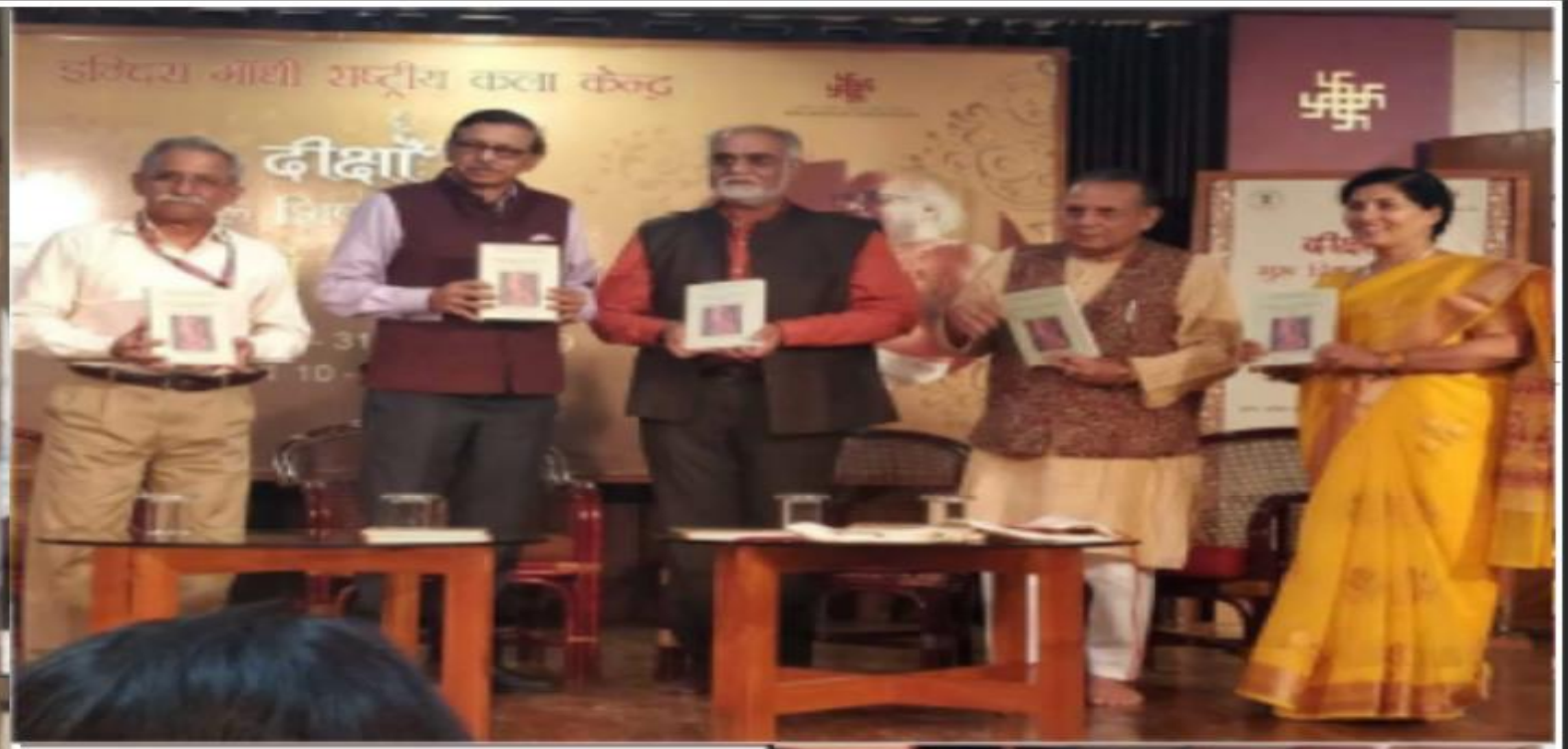
दीक्षा

HIKAR

स संगीत महोत्सव 2020
अखिल भारतीय संगीत प्रतियोगिता

# NEWSPAPER CUTTINGS

actualités
The SUN
Maha Shivratree
Mercredi 21 février 1990

## Ferveur religieuse au Ganga Talao



हिन्दुस्तान

Hindustan Times

New Delhi, Friday, January 21, 2005 www.hindustantimes.com Chandigarh Metro Rs 1.50

ArtScape

## Letting music ride her

Nonika Singh

For Delhi-based Dr Sarita Pathak Yajurvedi, married into the Rampur Sadarang *parampara*, role-playing and music



THE TIMES OF INDIA

## Sangeet Samaroh from Jan 18

दैनिक भास्कर

बृहस्पति संगीत समारोह 18 से

राजस्थान पत्रिका

संगीत संध्या का आयोजन

THE HINDU

INDIA'S NATIONAL NEWSPAPER SINCE 1878

Vocal Recital

By Sarita Pathak Yajurvedi, Asst. Professor, Bharati College, Delhi University.

Venue: Amaltas Hall, Habitat Centre

Date: August 10

Timings: 7.30 p.m.

इंडिया टुडे

सभा/संगत

भक्ति की भूमि पे ज्ञान की मारग

The Tribune

VOICE OF THE PEOPLE

Chandigarh • Noida • Bathinda: Friday, January 21, 2005

Sarita — an ardent supporter of 'guru-shishya parampara'

THE TIMES OF I

Classical music is her calling

Artistes in their own right

Keeping the tradition of *gharana* alive

lists to perform at Brahaspti Sangeet

दिल्ली

4

इंदिरा गांधी को संगीतमय श्रद्धांजलि

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री भी पहुंचे

# माई मोरी पीर कोउ न जाने...

नई दिल्ली, 24 जून ( डॉ. अश्विनी शर्मा ): जहां उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत में स्व. आचार्य कैलाश चंद्र बृहस्पति और 82 वर्षीया सुलोचना बृहस्पति का नाम बहुत अदब से लिया जाता है वहीं जयपुर घराने की कथक गुरू 72 वर्षीया गीतांजलि लाल भी अपनी परंपराओं के निर्वहन हेतु प्रख्यात हैं। सोमवार शाम इंडिया हेबिटेट सेंटर का स्टेन ऑडिटोरियम आचार्य बृहस्पति की पुत्रवधु डॉ. सरिता यजुर्वेदी के शास्त्रीय गायन, डॉ. बिपुल कुमार राय के संतूर वादन, गीतांजलि लाल की शिष्याओं वर्षा दासगुप्ता एवं इरा डोगरा द्वारा जयपुर घराने के कथक नृत्य तथा दिव्यदृष्टि युक्त नार कलाकारों राजीव रंजन, रविशंकर, देवेंद्र व सूरज वर्मा के नाम रहा। डॉ. सरिता का मधुर कंठ, अकार का सुंदर विन्यास, सुरीली तानों का सम्मिश्रण, तीनों सप्तकों पर समान नियंत्रण उनकी राग देश की रचना 'माई मोरी पीर...' में स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रहा था तो तराने की प्रस्तुति ने सुधिजनों को पूरी तरह सम्मोहित कर लिया। तबले पर सुधीर पांडेय तथा सारंगी पर गुलाम मोहम्मद ने उनके साथ बेहतरीन संगत की। संगीतमयी संध्या में डॉ. बिपुल ने राग रागेश्री में अकरम खान के तबले पर आलाप, जोड़ और झाला का सुंदर प्रदर्शन किया तो रिकॉर्डिड ट्रैक्स पर वर्षा और इरा का युगल नृत्य आमद, तिहाई, तोड़े और चक्करों से युक्त तथा स्फूर्ति, अभ्यास और आत्मविश्वास से परिपूर्ण था। कार्यक्रम के अंतर्गत गुरू गीतांजलि लाल, डॉ. योगेंद्र, मनीष कुलश्रेष्ठ, सुमन डूंगा इत्यादि की गरिमामयी उपस्थिति अंत तक देखी गई। मुग्धा का संचालन तथा पूरण शर्मा द्वारा ध्वनि और प्रकाश की सुंदर व्यवस्था भी विशेष उल्लेखनीय है।

**■ कथक नृत्यांगना माया कुलश्रेष्ठ ने संयोजित किया कार्यक्रम**

THE HINDU

# DELHI METRO

TODAY'S SPECIAL

06 htcity TIME OUT

HINDUSTAN TIMES, NEW DELHI
WEDNESDAY, JUNE 14, 2017

▶ LISTEN



**HINDUSTANI VOCAL RECITAL**
By Sarita Pathak Yajurvedi & Iman Das at India International Centre, Lodhi Estate. 6pm onwards.

हरिभूमि

रोहतक - यमुनानगर
Date - 11 Feb'20

# विश्वास संगीत महोत्सव संपन्न

■ प्रतिभागी विजेताओं को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

विश्वास संगीत समिति की स्थानीय शाखा के तत्वावधान में आयोजित विश्वास संगीत महोत्सव व अखिल भारतीय विश्वास संगीत प्रतियोगिता का सोमवार को समापन हो गया। इस दौरान विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मंच का संचालन डॉ.अबिंका कश्यप ने किया। कार्यक्रम के आयोजक विमल कश्यप ने बताया कि प्रतियोगिताओं के दौरान गायन स्पर्धा में रिषभ चतुर्वेदी प्रथम, ताल वाद्य में मनोज सोलंकी व मानसा सिंह ने प्रथम स्थान, स्वर वाद्य में मनिंदर झांगड़ा ने प्रथम स्थान, सुगम संगीत में श्रावणी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी तरह कथक में शिखा धीमान प्रथम रही।




यमुनानगर। आयोजित विश्वास संगीत महोत्सव के दौरान प्रस्तुतियां देते कलाकार।

## प्रयासों की सराहना की

निर्णायकों की भूमिका पं.सुशील जैन, पं.विजय शंकर मिश्र, डॉ.राम शंकर, डॉ.हरविंद्र शर्मा व डॉ.नीरा शर्मा ने निभाई। मुख्य अतिथि यमुनानगर विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया। उन्होंने विश्वास संगीत समिति के प्रयासों की सराहना की और कहा कि शास्त्रीय संगीत को जिला वासियों तक पहुंचाने के लिये जो कार्य संस्था द्वारा किया जा रहा है वह अपने आप में सराहनीय कदम है।

रविवासरीय

# हिन्दुस्तान

www.hindustandainik.com

हम तुम

## परंपरा का समारोह

[illegible]

रवीन्द्र मिश्र



# बसंत में संगीत की फुहार–रागों की बहार

शास्त्रीय संगीत को समर्पित बज्म–ए–कुवत–ए–मौसीकी परिवार की ओर से शानदार एवं नाद रस कार्यक्रम का आयोजन

संवाद सहयोगी, नया गुरुग्राम: बसंत के इस खुशगवार मौसम में शास्त्रीय और उप शास्त्रीय संगीत को समर्पित बज्म-ए-कुवत-ए-मौसीकी परिवार की ओर से सेक्टर-27 में शानदार एवं नाद रस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की स्थापित गायिका डॉ. सरिता पाठक यजुर्वेदी ने शिरकत की। डॉ. सरिता पाठक रामपुर सदारंग परंपरा, रामपुर घराना से ताल्लुक रखती हैं। भारतीय कॉलेज में संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सरिता के यू-ट्यूब पर दिए गए व्याख्यान सुनकर संगीत प्रेमी छात्र अपनी परीक्षाएं उत्तीर्ण करते हैं। बज्म परिवार के सदस्य ऐसे में उन्हें अपने सामने पाकर भावुक और आत्मविभोर हो गए।

अत्यंत रोचक ढंग से प्रस्तुत शास्त्रीय संगीत के राग एवं रागों पर आधारित गीतों और भजनों से उन्होंने दर्शकों का मन मोह लिया। माघ-फाल्गुन महीने की खुशबू से सराबोर इस कार्यक्रम में गीतों ने जैसे नृत्य किया। भीम पलासी में पिया परदेश फुलवारी सूनी (बड़ा ख्याल) की मनमोहक प्रस्तुति से शुरू करके केसर की पिचकारी चलावत, खेलन लागे श्याम सुंदर मोसे, फगुआ बृज देखन को चलो री, कुहू कुहू कोयलिया बोली रे, फाग खेलन कैसे जाऊं सखी री, हरी के हाथ पिचकारी जैसी बेजोड़ प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में डॉ सरिता पाठक यजुर्वेदी अपनी मनमोहक प्रस्तुती देती हुई ● जागरण

तबले पर कुलदीप कुमार, हारमोनियम पर उमेश साहू तथा तानपुरा पर डॉक्टर शिवांगी वर्धन, डॉक्टर शैल गुप्ता और शुभांगी वर्धन ने अदभुत संगत दी और संगीत के इस जादू का आनंद कलाकार और श्रोताओं ने जमकर उठाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय सेना के मिलिट्री सचिव लेफ्टिनेंट जनरल अनिल भट्ट और गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में डीएलएफ के निगम पार्षद आरएस राठी शामिल हुए। शास्त्रीय और उप शास्त्रीय संगीत को समर्पित बज्म-ए-कुवत-ए-मौसीकी के संयोजक मदन बिंजोला ने कहा कि निश्चित ही यह आयोजन उत्साहवर्धक और प्रेरणादायक अनुभव रहा, शास्त्रीय संगीत के इस परिवार के सदस्यों को बढ़ाने के लिए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

# TESTIMONIAL

Madam, Dr. Sarita Pathak Yajurvedi, after retirement I have been learning Karnatik and mostly Hindustani music (8 teachers) for about 10 years. I have Scale Changer Harmonium, electronic taanpura, tabla, Notes, Xerox materials, library of more than 500 books(Ratnakar, Raana Kumbha, Pt. Bhatkandeji to Present Day, Hathras Sangeet magazine, music books from Hampi, Varanasi, Allahabad, Prayag, Gwalior, Mysore, Ajmer, Bangalore, Gadag, Delhi, Chandigarh, Mumbai, Pune etc in various languages). But I was not able to grasp anything. It was mu-sick! A big zero. I have been desperately searching for a teacher who can enlighten me, such music lessons as yours. In vain, I was about to stop learning music, like Naysa(as per book by Dr. A.K Dey the book I liked very much) according to the ancient authors. Not on last note but Nyasa on my music itself. Now I got what I wanted (learning Tal also) a novel, exhaustive, all in one systematic learning. What clarity, ultimate in teaching. Nobody can teach better than this. I have full confidence now. Now I can never dream to stop learning music for life. I am grateful and should thank you from my heart for kindling interest in music. I am pursuing music vigorously. Now life is interesting. We expect more such lessons on more and more ragas. Thank you madam.

KV Mallya

Bangalore